तबला

तबला संगतवाद्य है. लेकिन भारतीय संगीत में तबलावादन को स्वतंत्र वाद्य का दर्जा दिया गया है.

विद्यार्थी एक कलाकार, अच्छा गुरु और शिक्षक बने उस उददेश्य के साथ इस अभ्यासक्रम को बनाया है. विशाल गायन जगत में, वाद्य विश्व में और नर्तन कला सब में तबला संगत का महत्व काफी है. प्रारम्भिक सालो में विद्यार्थी को तबलावादन में रस और प्रोत्साहन प्राप्त हो उस तरह अभ्यासक्रम बनाया है. तीसरे साल से विद्यार्थी तबला वादन में प्रगति करे उसे ध्यान में रखा है. विविध गायन शैली, वाद्य और नर्तन के साथ संगत करने के लिए सक्षम बने उस तरह अभ्यासक्रम की रचना की है. तबला में विशारद हुआ विद्यार्थी संगत और स्वतंत्र तबलावादन में सक्षम बने वह ध्यान में रखा है. तबला शास्त्र बोज़युक्त, शुष्क और नीरस न बन जाए उस का ध्यान रखा है. हालांकि तबला वादक को आवश्यक शास्त्र ज्ञान हो, उस का भी ध्यान रखा है.

आम तौर पर तीनताल सर्व स्वीकृत और मनोरंजक ताल है. जिसे महान तबला वादको ने भी उस का ध्यान रखा है. अभ्यासक्रम में अन्य तालो को भी महत्व दिया है. लेकिन तीनताल का मूल्य जरा भी कम नहीं है. हाथ की तैयारी - बोल की निकास - तबला साउण्ड (ध्वनि) इस सभी के लिए तीनताल अनिवार्य और ज्यादा रंजक ताल है.

महागुजरात गांधर्व संगीत समिति
तबला वादन का अभ्यासक्रम

संगीत प्रारंभिक (पहला वर्ष) - (तबला)

समय: - 6 महिने (40 से 50 घंटे का प्रशिक्षण),
कुल अंक: - 50, क्रियात्मक - 40 अंक, मौखिक शास्त्र - 10 अंक.
परीक्षा समय: - 10 मिनिट

क्रियात्मक - 40 अंक -

1) ताल संख्या- 2, कहरवा और दादरा.
   उपरोक्त ताल के ठेका बजने की क्षमता.
2) कहरवा और दादरा में 3 - 3 लग्गी.
3) बोल निकास - ना, तीं, ग, धा, ता, तीरकीट.
4) हाथ - उँगलियो का रख-रखाव.
5) ताल और लग्गीओ का पढन्त.
6) सम, खाली, मात्रा और आवर्तन का ज्ञान.

महागुजरात गांधर्व संगीत समिति

तबला वादन का अभ्यासक्रम

संगीत परिचय (दूसरा वर्ष) - (तबला)

समय: - 6 महिने (60 से 70 घंटे का प्रशिक्षण),

कुल अंक: - 100, क्रियात्मक - 80 अंक, मौखिक शास्त्र - 20 अंक.

परीक्षा समय: - 15 मिनिट

क्रियात्मक - 80 अंक -

1) **ताल संख्या - 4:** - त्रिताल, झपताल, रूपक, खेमटा.
   उपरोक्त ताल के ठेका बजने की क्षमता.
2) उपरोक्त ताल के 3 - 3 प्रकार.
3) तीनताल और झपताल में 2 - 2 कायदे.
4) धाधातीट, धा तिरकीट तक, धाधा तींना, बोल समूह का प्रयोग कर के कायदे तैयार करना.
5) कायदे दुगुन में बजाने की क्षमता.
6) धीनागीन, तक तीरकीट, तुन्ना किटतक, धीडनग, कत्ता- बोल समूह की निकास.
7) तालो को और कायदे को तालस्थान के साथ बोलने की क्षमता.

मौखिक शास्त्र- 20 अंक -

1) तबला - बाँया के अंगो की जानकारी.
2) पारिभाषिक शब्द: - ठेका, निकास, कायदा, लय और उन के प्रकार, पल्टा और दुगुन.

नोंध: - पिछले साल में से प्रश्न पुछे जा सकते है॰

महागुजरात गांधर्व संगीत समिति
तबला वादन का अभ्यासक्रम
संगीत प्रवेश (तीसरा वर्ष) - (तबला)

समय: - 1 साल (80 - 100 घंटे का प्रशिक्षण),
कुल अंक: - 200, क्रियात्मक - 150 अंक, मौखिक शास्त्र - 50 अंक.
परीक्षा समय: - 15 से 20 मिनिट

क्रियात्मक - 150 अंक -

1) **ताल संख्या -4:** - द्रुत एकताल, दीपचंदी, धुमाली, हींच.
   उपरोक्त ताल के ठेका और दुगुन लय में बजाने की क्षमता.
2) तीनताल, रूपक झपताल में तीन - तीन कायदे.
3) तीनताल में दो मुखड़े, दो मोहरे, एक से ज्यादा आवर्तन की तिहाई.
4) धागेतीट, धेटतेट, क्डान धा तीट, त्रक, कत, धिरकिट बोल समूह की निकास.
5) संगत: - झपताल, तीनताल, दादरा और कहरवा ताल में गायन या वादन के साथ संगत.
6) कहरवा और दादरा मैं 2 - 2 लग्गी.

मौखिक शास्त्र - 50 अंक -

1) पारिभाषिक शब्द: - मुखड़ा, मोहरा, तिहाई, लग्गी, टुकड़ा, ठाय॰ आवर्तन, जर्ब और लग्गी॰
2) भजन और लोकगीत में उपयोग में आने वाले ताल.

नोंध: - पिछले साल में से प्रश्न पुछे जा सकते है॰

महागुजरात गांधर्व संगीत समिति

तबला वादन का अभ्यासक्रम

संगीत मध्यमा (चौथा वर्ष) - (तबला)

समय: - 1 साल (80 से 100 घंटे का प्रशिक्षण),

कुल अंक: - 300, क्रियात्मक - 200 अंक, लेखित शास्त्र - 70 अंक.

नियत कार्य (Assignment Work) - 30 अंक. क्रियात्मक परीक्षा समय: - 20 मिनिट,

लेखित परीक्षा समय: - 2.00 घंटे.

क्रियात्मक - 200 अंक -

1) ताल संख्या: - 5: - विलंबित एकताल, तिलवाड़ा, सुलताल, भजनी ठेका, पंजाबी (अद्‌धा). उपरोक्त ताल के ठेका, दुगुन और चौगुण लय में बजाने की क्षमता.
2) स्वतंत्र तबला वादन - 10 मिनिट - तीनताल: - मध्य - द्रुत. कायदा, टुकड़ा, मोहरा, परन, तिहाई इत्यादी के प्रयोग के साथ.
3) झपताल में दो कायदे - पलटे के साथ.
4) बंदिश या गत सुन कर तीनताल, झपताल, रूपक, और द्रुत एकताल में सम पकड़ने की क्षमता.
5) इलेक्ट्रोनिक लेहरा का उपयोग कर सकते है.

लेखितशास्त्र - 70 अंक.

1) अभी तक के तालो को ठाय, दुगुन और चौगुण में लिखने की क्षमता. और कौन सा ताल कौन सी गायकी में बजाया जाता है उसकी जानकारी.
2) झपताल और द्रुत एकताल में तिहाई और टुकड़े लिखने की क्षमता.
3) कहरवा और दादरा में 2 - 2 प्रकार और 2 - 2 लग्गी लिखने की क्षमता.

4) संक्षिप्त टिप्पणी: -
   (अ) तबला वादक को ध्यान में रखने के योग्य बातें. (ब) रियाज़ - प्रेक्टिस करने की पद्‌धति.
   (क) तबला वाद्‌य का रख - रखाव. (ड) **जीवन चरित्र और कार्य** : - 1) पं. सुधीर सक्सेना
   2) पं. नन्दन मेहता

5) पारिभाषिक शब्द: - आड़, कुआड़, काल, चक्रदार परन, चतुस्त्रजाति, तिस्त्रजाति, उठान, पेशकार, काल, लेहरा, तिगुण, रेला.

नियत कार्य **(Assignment Work)** - 30 अंक

नियत कार्य के विषय: - किसी भी तीन विषय.

1) पं. भातखण्डे ताल लिपि के बारे में लिखे.
2) तबला और उनके अंगो के बारे में लिखे.जैसे के पूड़ी, वाधर, गट्टे इत्यादि और उन के कार्य.
3) तबला के मुख्य 10 वर्ण और उस की जानकारी जैसे के हरेक वर्ण कहाँ बजाया जाता है.
4) तबले का इतिहास.
5) ताल तीनताल में तीन मुखड़े एक या दो आवर्तन में लिपिबद्ध लिखे.
6) **जीवन चरित्र और कार्य** : - 1) पं. सुधीर सक्सेना 2) पं. नन्दन मेहता

नियत कार्य अंक: - परीक्षार्थी के नियत कार्य के ग्रेड नीचे दिये ग्रेड में से कलागुरु परीक्षक को देंगे. क्रियात्मक परीक्षा के समय नियत कार्य के पूछे गए प्रश्नो के उत्तर से परीक्षक नियत कार्य के अंक तय करेंगे.

ए ग्रेड - 25 से 30 अंक.
बी ग्रेड - 20 से 24 अंक.
सी ग्रेड - 15 से 19 अंक.

नोंध: - 1) पिछले साल में से प्रश्न पुछे जा सकते है॰
2) नियत कार्य के विषय के प्रश्न क्रियात्मक परीक्षा के समय पूछे जा सकते है.

महागुजरात गांधर्व संगीत समिति

तबला वादन का अभ्यासक्रम

संगीत विनीत - मध्यमा पूर्ण (पांचवा वर्ष) - (तबला)

समय: - 1 साल (100 से 120 घंटे का प्रशिक्षण),

कुल अंक: - 400, क्रियात्मक - 300 अंक, लेखित शास्त्र - 70 अंक.

नियत कार्य (Assignment Work) **- 30 अंक. क्रियात्मक परीक्षा समय: - 20 मिनिट.**

लेखित परीक्षा समय: - 2.00 घंटे.

क्रियात्मक - 300 अंक -

ताल संख्या - 6: - वि. झूमरा, सवारी 15 मात्रा की, आड़ाचौताल, खुल्ले बोल के साथ चौताल, धमार, सूलताल. उपरोक्त ताल के ठेका, दुगुन और चौगुण लय में बजाने की क्षमता.

1) एकल तबला वादन : 1) झपताल 2) द्रुत एकताल 3) रूपक - ताल की पसंदगी परीक्षक करेंगे.
2) 15 मिनिट की एकल तबला वादन की प्रस्तुति जिस में पेशकार, उठान, कायदे, पलटा, टुकड़ा, रेला, परन मोहरा इत्यादि का समावेश होना चाहिए.
3) इलेक्ट्रोनिक लेहरा का उपयोग कर सकते है.
4) वि. झूमरा, तिलवाड़ा, एकताल इत्यादि में अंतिम खंड में तिहाई ले कर सम पर आने की क्षमता.
5) चौताल और धमार ताल में दो - दो तिहाई और रेला.
6) तीनताल में दो चक्रदार परन, नवहक्का, फरमाइशी परन और दो रेला.
7) परन, टुकड़े में धिरधिर, किटतक, धेटेतेटे कड़ धा तिट इत्यादि बोल समूह का प्रयोग.
8) तबले पर निकास - थुं, दीं, ताथुंगा दिग दिग थई, त थई इत्यादी नृत्यअंग के बोल.
9) ध्रुपद गायन, ख्याल गायन और वाद्य के साथ संगत करने की क्षमता.

लेखित शास्त्र - 70 अंक.

1) उपरोक्त सूचित तालो को तिगुण में लिखने की क्षमता.
2) आड़ - कुआड़ बोल समूह के टुकड़े लिखने की क्षमता.
3) झपताल या एकताल में फरमाइशी परन, चक्रदार परन, नवहक्का लिखने की क्षमता.
4) तबला के 10 प्राण और उस की जानकारी.
5) जीवन चरित्र और कार्य - 1) उस्ताद ज़ाकिरहुसैन खाँ 2) पं. किशन महाराज 3) पं. अनोखेलाल.

संक्षिप्त टिप्पणी: - 1) ध्रुपद गायन में पखवाज संगत 2) ख्याल गायनमे तबला संगत 3) सुगम संगीत और गज़ल गायन में तबला संगत 4) तबला सुर में मिलने की प्रक्रिया 5) तबला वादक के गुण दोष 6) तबला प्रशिक्षण में ध्यान में रख ने योग्य बातें.

नियत कार्य (Assignment Work) - 30 अंक.

नियत कार्य के विषय: - किसी भी तीन विषय.

1) तबला के दस प्राण और उसकी विस्तृत जानकारी.
2) लय और उसके प्रकार की विस्तृत जानकारी.
3) तिहाई और उसके प्रकार की विस्तृत जानकारी.
4) तबला वादक के गुण दोष.
5) दील्ही और अजराड़ा घराना और उन की विशेषता.
6) ताल - एकताल और झपताल में तीन तीन कायदे और उस के तीन तीन पलटे लिपिबद्ध लिखे.
7) **जीवन चरित्र और कार्य** - 1) उस्ताद ज़ाकिरहुसैन खाँ 2) पं. किशन महाराज 3) पं. अनोखेलाल (इन में से किसी भी दो कलाकार का).
8) पन्द्रा मात्रा की सवारी ताल, आड़ाचौताल और सूलताल के ठेका, दुगुन और चौगुण लिपिबद्ध लिखना.

नियत कार्य अंक: - परीक्षार्थी के नियत कार्य के ग्रेड नीचे दिये ग्रेड में से कलागुरु परीक्षक को देंगे. क्रियात्मक परीक्षा के समय नियत कार्य के पूछे गए प्रश्नो के उत्तर से परीक्षक नियत कार्य के अंक तय करेंगे.

ए ग्रेड - 25 से 30 अंक. बी ग्रेड - 20 से 24 अंक. सी ग्रेड - 15 से 19 अंक.

नोंध: - 1) पिछले साल में से प्रश्न पुछे जा सकते है.
2) नियत कार्य के विषय के प्रश्न क्रियात्मक परीक्षा के समय पूछे जा सकते है.

ताल - सवारी (15 मात्रा की) - मात्रा - 15, खंड - 4, ताली - 1, 4, 12 पर। खाली - 8 पर

मात्रा - 1 2 3 | 4 5 6 7 | 8 9 10 11 | 12 13 14 15 ||
बोल - धीं ना धींधीं | कत धींधीं नाधीं धींना | ती-क्ड तींना तिरकट तूँना | कता धींधीं नाधीं धींना ||
तालचिन्ह - X | 2 | 0 | 3 ||

(संदर्भ - ताल परिचय) **या**

ताल - सवारी (15 मात्रा की) - मात्रा - 15, खंड - 7, ताली - 1, 4, 8, 12 पर। खाली - 6,10,14 पर

मात्रा - 1 2 3 | 4 5 | 6 7 | 8 9 | 10 11 | 12 13 | 14 15 ||
बोल - धीं तिरकट धींना |कत धींधीं |नाधीं धींना |तींना तींना |त्रकतूँना किडनग| कत धींधीं | नाधीं धींना ||
तालचिन्ह - X | 2 | 0 | 3 | 0 | 4 | 0 ||

(संदर्भ - संगीत विशारद, हाथरस)

महागुजरात गांधर्व संगीत समिति

तबला वादन का अभ्यासक्रम

संगीत उप विशारद (छठ्ठा वर्ष) - (तबला)

समय: - 1 साल (100 से 120 घंटे का प्रशिक्षण),

कुल अंक: - 400, क्रियात्मक - 300 अंक, लेखित शास्त्र - 70 अंक.

क्रियात्मक परीक्षा समय: - 45 मिनिट. लेखित परीक्षा समय: - 2.00 घंटे.

नियत कार्य (Assignment Work) **- 30 अंक.**

क्रियात्मक - 300 अंक -

1) ताल संख्या - 6: - मत्ततताल, गजझंपा, पस्तो, जत, 16 मात्रा की सवारी, तेवरा (खुल्ले बाज का).
2) एकल तबला वादन : - 15 मिनिट 1) सवारी (15 मात्रा की) 2) धमार 3) मत्त
3) ताल की पसंदगी परीक्षक करेंगे.
4) इलेक्ट्रोनिक लेहरा का उपयोग कर सकते है.
5) 10 मिनिट कहरवा, दादरा और रूपक में विविध लग्गी की प्रस्तुति.
6) परन के विविध प्रकार - 4 (उदाहरण के साथ).
7) स्वतंत्र तबला वादन में विविध लयकारीवाले टुकड़े और परन का समावेश होना चाहिए.
8) रेला, कायदे 8 गुनी लय में प्रस्तुति करने की क्षमता.
9) गायन - वादन के साथ संगत करने की क्षमता.
10) तीनताल, झपताल और द्रुत एकताल में विविध लयकारीवाली तिहाई का समावेश.
11) ठुमरी गायन के साथ संगत करनी होगी.

लेखित शास्त्र - 70 अंक.

1) मत्ततताल और सवारी ताल में कायदे - पलटे लिखने की क्षमता.
2) उपरोक्त ताल को दुगुन, तिगुन में लिखने की क्षमता.
3) दम - बेदम तिहाई और अनाघात और अतीत का उदाहरण.

संक्षिप्त टिप्पणी: - 1) गायन में ताल का महत्व. 2) समान मात्र वाले विविधतालों की आवश्यकता. 3) तबला वादन में रियाज का महत्व. 4) विविध ताल के लेहरे. 5) विध्यालय में दिया जाने वाला तबला शिक्षण. 6) एकल तबला वादन में ध्यान में रखने योग्य बातें.

जीवन चरित्र: - 1) उ. अहमदजान थिरकवा 2) उ. अल्लारखाँ खान

नियत कार्य (Assignment Work) - 30 अंक.

नियत कार्य के विषय: - किसी भी तीन विषय.

1) बनारस और पंजाब घराना और उन की विशेषता.
2) परन और कायदे के भेद विस्तृत माहिती के साथ लिखिए.
3) **जीवन चरित्र और कार्य** - 1) उस्ताद अहमदजान थिरकवा 2) उ. अल्लारखा खाँ. (इन दोनों कलाकारो का).
4) सोलह मात्रा की सवारी ताल और मत्त ताल के ठेका, दुगुन, तिगुन और चौगुण लिपिबद्ध लिखिए और हरेक में 1 - 1 कायदा और 3 - 3 पल्टा लिखिए.
5) संगीत में ताल का महत्व.
6) परन और उस के विविध उदाहरण लिखे.
7) तालवाद्य का इतिहास.

नियत कार्य अंक: - परीक्षार्थी के नियत कार्य के ग्रेड नीचे दिये ग्रेड में से कलागुरु परीक्षक को देंगे. क्रियात्मक परीक्षा के समय नियत कार्य के पूछे गए प्रश्नो के उत्तर से परीक्षक नियत कार्य के अंक तय करेंगे.

ए ग्रेड - 25 से 30 अंक. बी ग्रेड - 20 से 24 अंक. सी ग्रेड - 15 से 19 अंक.

नोंध: - 1) पिछले साल में से प्रश्न पुछे जा सकते है.
2) नियत कार्य के विषय के प्रश्न क्रियात्मक परीक्षा के समय पूछे जा सकते है.

महागुजरात गांधर्व संगीत समिति

तबला वादन का अभ्यासक्रम

संगीत विशारद (सातवाँ वर्ष) - (तबला)

समय: - 1 साल (150 से 180 घंटे का प्रशिक्षण),

कुल अंक: - 700, क्रियात्मक - 500 अंक, लेखित शास्त्र - 70 अंक.

नियत कार्य (Assignment Work) - 30 अंक. लेखित परीक्षा समय: - 2.00 घंटे.

सभावादन: - 100 अंक, क्रियात्मक परीक्षा समय: - 45 से 55 मिनिट

क्रियात्मक - 500 अंक -

1) **ताल संख्या - 6 :** - शिखर ताल, ब्रह्मताल, अष्टमंगलताल, फरदोस्ततताल, लक्ष्मीताल और रुद्र ताल. सभी ताल नीचे लिखे है.
2) उपरोक्त तालों की सम्पूर्ण जानकारी. और पिछले साल के तालो में विशेष तैयारी.
3) उपरोक्त तालों में दो तिहाई, दो मुखड़ा और मोहरा. हरेक ताल में एक - एक परन.
4) एकल तबला वादन : - 15 मिनिट का.
5) अ) तीनताल ब) झपताल क) रूपक ड) द्रुत एकताल: -
    - परीक्षक की पसंदीदा ताल की प्रस्तुति.
    - विलंबित से द्रुत लय तक.
    - कायदे - टुकड़े - विशिष्ट परन - लयकारी तिहाई - बोल की पढन्त साथ की प्रस्तुति.
    - किसी भी एक घराना या बाज के एकल तबला वादन की जानकारी.
    - अल्प प्रचलित तालो की बंदिश में संगत.
    - विविध लयकारी में बोल बताने कीक्षमता, उदाहरण तीनताल में झपताल इत्यादि.
6) गायन और वादन के साथ तबला संगत करने की क्षमता.

लेखित शास्त्र - 70 अंक.

1) किसी भी एक ताल को दूसरे ताल में लिखने की क्षमता उदाहरण - रूपक को झपताल में लिखना इत्यादि.
2) 3 मात्रा को 4,5,6 और 7 मात्रा में लिखने की क्षमता.
3) दिए हुए बोल समूह पर से तय किये ताल में बोल लिखने की क्षमता.
4) तबले के विविध घराने या बाज.
5) ताल रचना के सिद्धांत.
6) किसी भी एक घराने के एकल तबला वादन की प्रस्तुति की रूपरेखा.
7) कर्णाटकी ताल रचना की विशेषता.

8) विविध घन वाद्यों का परिचय.

निबंध के विषय: - 1) तबला घराना की आवश्यकता 2) तबला वादन प्रशिक्षण के कदम.
3) नृत्य और वाद्य के साथ तबला संगत. 4) ताल वाद्य कचेरी.
5) कर्णाटकी संगीत में मृदंग संगत का महत्व. 6) स्वर और लय का संबंध.
7) ताल लिखने की प्रचलित पद्धतियां. 8) पसंदीदा तबला वादक की प्रस्तुति.

जीवन चरित्र: - 1) पं. समता प्रसाद 2) पं. सुरेश तलवलकर
3) पं. अनिन्दो चेटर्जी 4) उ. अमीरहुसैन खान.

नियत कार्य (Assignment Work) - 30 अंक.

नियत कार्य के विषय: - किसी भी तीन विषय.

1) लखनऊ और फरुखाबाद घराना और उन की विशेषता.
2) ताल - ब्रह्मताल, फरदोस्ततताल और लक्ष्मीताल में दो मुखड़े, 2 तिहाई और 1 - 1 परन पं. भातखण्डे लिपि में लिपिबद्ध लिखे.
3) **जीवन चरित्र और कार्य** - 1) उस्ताद अमीरहुसैन खान 2) पं. समता प्रसाद 3) पं. सुरेश तलवलकर 4) पं. अनिन्दो चेटर्जी (किसी भी दोनों कलाकार का).
4) उत्तर भारतीय ताल रचना के सिद्धान्त.
5) 15 मात्र की पंचम सवारी को झपताल में लिखे और एकताल को तीनताल में लिखे.
6) स्वर और लय का संबंध.
7) मुजे तबला वादन क्यों पसंद है?
8) गायन, वादन और नृत्य के साथ संगत के बारें में विस्तृत माहिती लिखिए.

नियत कार्य अंक: - परीक्षार्थी के नियत कार्य के ग्रेड नीचे दिये ग्रेड में से कलागुरु परीक्षक को देंगे. क्रियात्मक परीक्षा के समय नियत कार्य के पूछे गए प्रश्नो के उत्तर से परीक्षक नियत कार्य के अंक तय करेंगे.

ए ग्रेड - 25 से 30 अंक. बी ग्रेड - 20 से 24 अंक. सी ग्रेड - 15 से 19 अंक.

नोंध: - 1) पिछले साल में से प्रश्न पुछे जा सकते है.
2) नियत कार्य के विषय के प्रश्न क्रियात्मक परीक्षा के समय पूछे जा सकते है.

सभावादन: - 100 अंक: - समय मर्यादा - 20 से 25 मिनिट.

1) स्वतंत्र तबला वादन - 9 - 11 - 13 - 15 मात्रामें स्वतंत्र तबला वादन 15 से 20 मिनिट.
2) पेशकार, परन, टुकड़ा, उठान - कायदे इत्यादि हाथ की पूर्ण तैयारी के साथ प्रस्तुति.
3) तबला वादन में खुल्ले बोलों को शामिल करना होगा.

सूचना: - विशारद की परीक्षा तथा सभावादन में जीवंत लहरे (नग्मा) का उपयोग अनिवार्य है.

नोंध: - 1) पिछले साल में से प्रश्न पुछे जा सकते है.

1) **शिखरताल** - मात्रा - 17, खंड - 5, ताली - 1, 5, 9, 12, 14 पर,

मात्रा - 1 2 3 4 | 5 6 7 8 | 9 10 11 | 12 13 | 14 15 16 17 ||
बोल - धा त्रक धीं नक | थूँ ग धीं नक | धुम किट तक | धेत धा | तिट कता गदि गन ||
तालचिन्ह - X | 2 | 3 | 4 | 5 ||

2) **ब्रह्मताल -** मात्रा - 28, खंड - 14, ताली - 1, 5, 7, 11,13,15, 19, 21, 23, 25 पर,
खाली - 3, 9, 17, 27 पर.

मात्रा - 1 2 | 3 4 | 5 6 | 7 8 | 9 10 | 11 12 | 13 14 | 15 16 |
बोल - धा धीं | धीं धा | त्रक धीं | धीं धा | त्रक धीं | धीं धा | तीं तीं | ना तीं |
तालचिन्ह - X | 0 | 2 | 3 | 0 | 4 | 5 | 6 |

मात्रा - 17 18 | 19 20 | 21 22 | 23 24 | 25 26 | 27 28 ||
बोल - तीं ना | तू ना | कत ता | धागे नधा | त्रक धीन | गदी गन ||
तालचिन्ह - 0 | 7 | 8 | 9 | 10 | 0 ||

3) **अष्टमंगल ताल -** मात्रा - 22, खंड - 11, ताली - 1, 5, 7, 11, 13 ,17, 19, 21 पर,
खाली - 3, 9, 15 पर.

मात्रा - 1 2 | 3 4 | 5 6 | 7 8 | 9 10 | 11 12 | 13 14 | 15 16 |
बोल - धा - | कि ट | त क | धु म | कि ट | त क | धे - | ता - |
तालचिन्ह - X | 0 | 2 | 3 | 0 | 4 | 5 | 0 |

मात्रा - 17 18 | 19 20 | 21 22 ||
बोल - त क | धा दी | ग न ||
तालचिन्ह - 6 | 7 | 8 ||

(बजाने में "तक धादि गन" कि जगह "कत गदि गन" का प्रयोग कर शकते है.)

4) **फरदोस्त ताल -** मात्रा - 14, खंड - 7, ताली - 1, 5, 9, 11, 13 पर,
खाली - 3, 7 पर.

मात्रा - 1 2 | 3 4 | 5 6 | 7 8 | 9 10 | 11 12 | 13 14 ||
बोल - धीं धीं | धागे तिरकट | तू ना | कत ता | धीन कधा | तिरकट धीन | कधा तिरकट ||
तालचिन्ह - X | 0 | 2 | 0 | 3 | 4 | 5 ||

5) **लक्ष्मी ताल -** मात्रा - 18, खंड - 18, ताली - 1, 2, 3,5, 6, 7, 9, 10, 12, 13, 14, 15 पर,
खाली - 4, 8, 18 पर.

मात्रा -	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
बोल -	धींना	धिंधा	तिरकिट	धींना	धिंधा	तिरकट	धाधा	तिरकिट	धाधा	तिरकिट
तालचिन्ह -	X	2	3	0	4	5	6	0	7	8

मात्रा -	11	12	13	14	15	16	17	18 ‖
बोल -	धींना	धिंधा	तिरकिट	तूना	किटतक	तागे	ता	तिरकिट ‖
तालचिन्ह -	9	10	11	12	13	14	15	0 ‖

6) **रुद्रताल**: - मात्रा - 11, खंड - 11, ताली - 1, 3, 4, 5, 7, 8, 9, 10 खाली 2, 6, 11 पर.

मात्रा -	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11 ‖
बोल -	धा	तत	धा	तिरकट	धीं	ना	तिरकिट	तूँ	ना	क	त्ता ‖
तालचिन्ह -	X	0	2	3	4	0	5	6	7	8	0 ‖

या

6) **रुद्रताल**: - मात्रा - 11, खंड - 11, ताली - 1, 2, 4, 5, 6, 8, 9, 10 खाली 3, 7, 11 पर.

मात्रा -	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11 ‖
बोल -	धीं	ना	धीं	ना	ता	तीं	ना	क	त्ता	धीं	ना ‖
तालचिन्ह -	X	2	0	3	4	5	०	6	7	8	0 ‖

(**संदर्भ : - संगीत विशारद, वसंत, हाथरस**)

महागुजरात गांधर्व संगीत समिति
गायन और वादन का अभ्यासक्रम
तबला अलंकार - प्रथम (आठवाँ वर्ष).

कुल अंक- 700.

क्रियात्मक -कुल 600 अंक (क्रियात्मक परीक्षा - 500 अंक + सभावादन 100 अंक),

लेखित - 100 अंक.

समय: - संगीत विशारद के बाद 1 साल (कम से कम 200 घंटे का प्रशिक्षण).

क्रियात्मक परीक्षा समय: - ज्यादा से ज्यादा 75 मिनिट और सभागायन का समय अलग.

लेखित शास्त्र परीक्षा समय : - 3.00 घंटे.

<u>क्रियात्मक</u> - 500 अंक : -

<u>ताल ज्ञान:</u> - ताल संख्या: - 7.

1) स्वतंत्र तबला वादन : - (250 अंक) -

(1) 09 मात्रे का ताल (अन्य ताल में बताया वसंत ताल के अलावा) **(2) 11 मात्रे का ताल.**
घरानेदार वादन शैली से न्यूनतम 15 से 20 मिनिट ढंगदार प्रस्तुति करने की क्षमता होनी चाहिए.
9 मात्र और 11 मात्र का **तबले का ठेका** परीक्षार्थी का पसंदीदा होगा.

2) <u>अन्य ताल</u>: - (100 अंक)

(1) 9 मात्र का **वसंत ताल (2)** 15 मात्रा का **चित्रा ताल (3)** 17 मात्र का **विष्णु ताल (4)** 15 मात्र का **यतिशेखर ताल (5)** 12 मात्र का **विक्रम ताल.**

इन में से किसी भी 3 तालों में वादन शैली से प्रस्तुति 05 मिनिट तक करनी है.

. **(अ) वसंत ताल**- मात्र 9, खंड 9, ताली - 1,2,3,4,6 और 8, खाली - 5,7 और 9.

मात्रा -	1	2	3	4	5	6	7	8	9
बोल -	धा	देत	देत	थू	थू	तेटे	कत	गदि	गन
ताल चिन्ह	x	2	3	4	0	5	0	6	0

(आ) **चित्रा ताल** - मात्र 15, खंड 5, ताली - 1,3,6 और 10, खाली - 14.

मात्रा -	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15
बोल -	धीं	ना	धीं	धीं	ना	तूँ	ना	क	त्ता	त्रक	धीं	ना	धीं	धीं	ना
ताल चिन्ह	x		2			3				4				0	

(इ) **विष्णु ताल** - मात्र 17, खंड 5, ताली - 1,3,6 और 10, खाली - 14.

मात्रा -	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17
बोल -	धीं	ना	धीं	धीं	ना	धीं	त्रक	धीं	ना	धीं	धीं	ना	धीं	धीं	ना	धीं	ना
ताल चिन्ह	x		2			3				4				0			

ई) **यतिशेखर ताल**- मात्र 15, खंड 10, ताली - 1,2,4,6,7,8,10,11, 12 और 14, खाली - --.

मात्रा -	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15
बोल -	धा	तत धीं		न	त्रक	धीं	धीं	ना	तत	धागी	नाधा	त्रक	धींना	गदि	गन
ताल चिन्ह	x	2		3		4	5	6		7	8	9		10	

उ) **विक्रम ताल** - मात्र 12, खंड 4, ताली - 1,2 और 9, खाली - 6.

मात्रा -	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
बोल -	धा	-	धि	त्ता	-	क	-	त्ता	तिट	कत	गदि	गन
ताल चिन्ह	x		2			0			3			

3) <u>शास्त्रीय तथा उपशास्त्रीय संगीत के साथ संगत</u> : - (75 अंक)

शास्त्रीय तथा उपशास्त्रीय संगीत में संगत तैयारी के साथ बजाना.

4) <u>ध्रुपद - धमार</u> के साथ संगत: - (25 अंक)

ध्रुपद - धमार के साथ संगत की तैयारी.

5) <u>विद्यार्थी को विशारद तक के अभ्यासक्रम के प्रश्न पूछे जाएंगे</u>. (25 अंक)

6) क्रियात्मक परीक्षा के वक्त विध्यार्थी को अभ्यासक्रम के निम्न लिखित किसी एक विषय के पर 5 से 7 मिनिट का व्याख्यान देना होगा .- **25 अंक**.

1) दिल्ही **या** बनारस बाज - उदाहरण के साथ. 2) उस्ताद ज़ाकिर हुसैन या पंडित कुमार बोस की वादन की विशिष्टता और उन की बंदिशे (रचना). 3) गायन और वादन के साथ संगत की जानकारी.

7) <u>शास्त्र</u> : - (लेखित - 100 अंक).

1) जीवन चरित्र और उनके कार्य: - (अ) पं. निखिल घोष (ब) उ. करमतुल्ला खान (क) पं. राम सहाय (ड) पं. नाना साहेब पानसे (पखवाजी)
2) दिल्ही, अजराड़ा और बनारस बाज की विशिष्टता और विस्तृत जानकारी.
3) अलंकार प्रथम के तालों को लिपिबध्ध करना..
4) पारिभाषिक शब्दो - चौपल्ली, एकहथ्थि परन, गत - सभी उदाहरण के साथ.
5) तबला / पखवाज़ वादन के रियाज़ की विभिन्न पद्धतियाँ तथा आपके विचार.
6) लय और लयकारी का विस्तृत अध्ययन. निम्नलिखित तालों में पोना गुनी, सवा गुनी, डेढ गुनी तथा पोनेदों गुनी में लिखने की क्षमता - तीनताल, आड़चौताल, धमार, सवारी.
7) ठेके के निर्माण के सिद्धान्त.
8) तबला और पखवाज़ के वर्णों में अंतर और उसका कारण.
9) अभी तक के सभी ताल के ठेको को विभिन्न लयकारी में लिखने का अभ्यास.

8) <u>सभावादन</u> - 100 अंक.

संगीतप्रेमी श्रोताजन समक्ष विध्यार्थी का सभवादन होगा, जिसमे विध्यार्थी को -

क) परीक्षक के पसंदीदा ताल में स्वतंत्र तबला वादन की प्रस्तुति 20 से 25 मिनिट की होगी - 75 अंक,

ख) शास्त्रीय और उप शास्त्रीय के साथ संगति की प्रस्तुति 15 मिनिट की होगी - 25 अंक.

<u>सूचना</u>: - 1) लेहरा संगत (नगमा) जीवंत रहेगी.

महागुजरात गांधर्व संगीत समिति
गायन और वादन का अभ्यासक्रम
तबला अलंकार - द्वितीय (नौवाँ वर्ष).

कुल अंक- 700.

क्रियात्मक -कुल 600 अंक (क्रियात्मक परीक्षा - 500 अंक + सभावादन 100 अंक),

लेखित - 100 अंक.

समय: - संगीत विशारद के बाद 1 साल (कम से कम 200 घंटे का प्रशिक्षण).

क्रियात्मक परीक्षा समय: - ज्यादा से ज्यादा 75 मिनिट और सभागायन का समय अलग.

लेखित शास्त्र परीक्षा समय : - 3.00 घंटे.

<u>क्रियात्मक</u> - 500 अंक : -

<u>ताल ज्ञान:</u> - ताल संख्या: - 7.

1) **स्वतंत्र तबला वादन : - (250 अंक) -**

1) 13 मात्रे का ताल (2) 17 मात्रे का ताल.

घरानेदार वादन शैली से न्यूनतम 15 से 20 मिनिट मिनिट ढंगदार प्रस्तुति करने की क्षमता होनी चाहिए. 13 मात्र और 17 मात्र का **तबले का ठेका** परीक्षार्थी का पसंदीदा होगा.

2) **<u>अन्य ताल</u>: - (100 अंक)**

1) 21 मात्रा का **गणेश ताल (2)** 11 मात्रा का **मणि ताल (3) 28** मात्र का **ब्रह्म ताल (4)** 9 मात्रा का **महेश ताल (5)** 4 मात्रा का **नट ताल.** .

इन में से किसी भी 3 तालों में वादन शैली से प्रस्तुति 05 मिनिट तक करनी है.

. **(अ) गणेश ताल**- मात्रा 21, खंड 10, ताली - 1,5,610,11,12,16, 17,18 और 19, खाली - --.

मात्रा - 1 2 3 4 | 5 | 6 7 8 9 | 10| 11 |12 13 14 15 |16 |17|18 | 19 20 21 |
बोल - धा ता दीं ता | कत| तिट धा दीं ता | कत| तिट|ता धागे दीं ता |धागे|ता| तिट| कत गदि गन |
तालचिन्ह x | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |8 | 9 | 10 |

(आ) **मणि ताल** - मात्रा 11, खंड 4, ताली - 1,4,6 और 9, खाली - --.

मात्रा - 1 2 3 | 4 5 | 6 7 8 | 9 10 11 |
बोल - धा धि ट | कि ट | धा कि ट | त कि ट |
ताल चिन्ह x | 2 | 3 | 4 |

(इ) महेश **ताल** - मात्रा 9, खंड 3, ताली - 1,5 और 7 , खाली - --.

मात्रा - 1 2 3 4 | 5 6 | 7 8 9 |
बोल - धा धिट धिट धा | तिट कत | गदि गन ता |
ताल चिन्ह - x | 2 | 3 |

उ) **नट ताल** - मात्रा 4, खंड 3, ताली - 1,2 और 3 , खाली - --.

मात्रा -	1	2	3 4	
बोल -	धा	तेट	कत गदिगन	
ताल चिन्ह -	x	2	3	

ऊ) **ब्रह्म ताल** - मात्रा 28, खंड 14, ताली - 1,5,7,11,13,15,19, 21, 23 और 25, खाली - 3,9,17 तथा 27

मात्रा -	1 2	3 4	5 6	7 8	9 10	11 12	13 14	15 16	17 18
बोल -	धा धीं	धीं धा	त्रक धीं	धीं धा	तीं तीं	ना तीं	तीं ना	ति ना	तू ना
ताल चिन्ह	x	0	2	3	0	4	5	6	0

मात्रा -	19 20	21 22	23 24	25 26	27 28
बोल -	क त्ता	धीं ना	धागे नधा	तृक धीं	गदि गन
ताल चिन्ह	7	8	9	10	0

2) <u>कथ्थक नृत्य के साथ संगत</u> : - (75 अंक)

कथ्थक नृत्य के साथ संगत तैयारी के साथ बजाना .

3) <u>ध्रुपद - धमार</u> के साथ संगत: - (25 अंक)

ध्रुपद - धमार के साथ संगत की तैयारी.

4) <u>विद्यार्थी को अलंकार प्रथम तक के अभ्यासक्रम के प्रश्न पूछे जाएंगे</u>. (25 अंक)

5) क्रियात्मक परीक्षा के वक्त विध्यार्थी को अभ्यासक्रम के निम्न लिखित किसी एक विषय के पर 5 से 7 मिनिट का व्याख्यान देना होगा .- **25 अंक**.

1) अजराड़ा या पंजाब बाज - उदाहरण के साथ. 2) पं। सुरेष तलवलकर या पंडित अनिंदों चेतर्जी की वादन की विशिष्टता और उन की बंदिशे (रचना). 3) कथ्थक नृत्य के साथ संगत की जानकारी.

6) ना धीं धीं धा को अतिद्रुत लय में विभिन्न निकास के साथ बजाने कि क्षमता.

7) <u>शास्त्र</u> : - (लेखित - 100 अंक).

1) जीवन चरित्र और उनके कार्य: - (अ) उ. आबिद हुसेन खान (ब) उ. मुनीर खान (क) उ. शफत अहमद खान (ड) पं. उदउ सिंघ जी (पखवाजी)
2) फरुखाबाद, पंजाब और लखनऊ बाज की विशिष्टता और विस्तृत जानकारी.
3) अलंकार द्वितीय के तालों को लिपिबध्ध करना.

4) पारिभाषिक शब्दो - कायदे का प्रस्तार, पड़ार, रविश (रो) सभी उदाहरण के साथ.
5) कथ्थक नृत्य के साथ बजते कवित्त तोड़ा लिखने का अभ्यास.
6) तबला के अतिरिक्त किसी अन्य अवनद्ध वाद्य के वादन पद्धति की जानकारी तथा वादन करने की क्षमता..
7) विभिन्न लयकारी युक्त बोलों की हाथ से ताल देकर पढ़ंत.
8) निम्न लिखित ठेकों को अति विलंबित और अति द्रुत लय में बजाने की क्षमता - एकताल, तीनताल, तिलवाड़ा, झुमरा, आड़ाचौताल, झपताल.
9) अभी तक के सभी ताल के ठेको को विभिन्न लयकारी में लिखने का अभ्यास.

8) <u>सभावादन</u> - 100 अंक.

संगीतप्रेमी श्रोताजन समक्ष विध्यार्थी का सभवादन होगा, जिसमे विध्यार्थी को -

1) परीक्षक के पसंदीदा ताल में स्वतंत्र तबला वादन की प्रस्तुति 20 से 25 मिनिट की होगी - 75 अंक,
2) शास्त्रीय, उप शास्त्रीय, ठुमरी या कथ्थक नृत्य के साथ संगति की प्रस्तुति 15 मिनिट की होगी - 25 अंक.

<u>सूचना</u>: - 1) लेहरा संगत (नगमा) जीवंत रहेगी.